फा.सं. 25-I(08)/2022-एएचडी/एआर
भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
*****

जुलाई, 2022 माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां

1. गोपशु और डेयरी विकास:

(i) सचिव (एएचडी) ने दिनांक 15.07.2022 को देश के सहकारी और निजी डेयरियों के साथ देश में दूध की स्थिति की समीक्षा की। मांग आपूर्ति समता पर विचार करते हुए एसएमपी और सफेद मक्खन के सुरक्षित भंडार (बफर स्टॉफ) सृजित करने के लिए कार्य योजना तैयार करने का निर्णय लिया गया।

(ii) विश्व बैंक (भारतीय कार्यालय) के अधिकारियों के साथ दिनांक 27.07.2022 को एक बैठक आयोजित की गई जिसमें राष्ट्रीय डेयरी योजना चरण-।। (एनडीपी-।।) योजना के डीपीआर की तैयारी पर चर्चा हुई।

(iii) वर्ष 2022 के दौरान पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार घोषित करने के लिए सभी पणधारियों से तीन श्रेणियों अर्थात 1. देशी गोपशु/भैंस की नस्लों को पालने वाले सर्वश्रेष्ठ देसी किसान, 2. सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (एआईटी) और 3. सर्वश्रेष्ठ डेयरी सहकारिता समिति/दुग्ध उत्पादक कंपनी/डेयरी किसान उत्पादक संघठन में नामांकन आमंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए गए। आवेदन गृह मंत्रालय (एमएचए) के पुरस्कार पोर्टल अर्थात https://awards.gov.in के माध्यम से 01.08.2022 से ऑनलाइन आमंत्रित किए गए हैं और आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 15.09.2022 है। पुरस्कार, राष्ट्रीय दुग्ध दिवस (26 नवंबर, 2022) के अवसर परमाननीय प्रधानमंत्री/माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री द्वाराप्रदान किए जाने हैं।

2. पशुधन स्वास्थ्य:

(i) विभाग ने 6-7 जुलाई, 2022 के दौरान नई दिल्ली में भारतीय खाद्य एवं कृषि परिषद (आईसीएफए) द्वारा आयोजित "एनीमल हेल्थ एशिया सम्मिट-2022" के लिए अधिकारियों को नामित किया। पशु स्वास्थ्य के संबंध में खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने लिए अवसरों और चुनौतियों पर विचार करते हुए विभाग ने परिषद को लोगो और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई।

(ii) विभाग ने पशुपालन पशुचिकित्सा विभाग, असम सरकार, असम में विश्व बैंक सहायता प्राप्त अपार्ट परियोजना और अंतर्राष्ट्रीय पशुधन अनुसंधान संस्थान (आईएलआरआई) द्वारा संयुक्त रूप

से दिनांक8 जुलाई 2022 को असम प्रशासनिक स्टॉफ कॉलेज, खानापारा, गुवाहाटी में आयोजित एएसएफ प्रबंधन योजना पर क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

(iii) विभाग ने हाइब्रिड मोड में पशु चिकित्सा विज्ञान कॉलेज, खानापारा, गुवाहाटी में दिनांक 5.7.2022 को आयोजित द्वितीय एएसएफ सलाहकार समिति में अधिकारी को नामित किया।

(iv) पूर्वोत्तर राज्यों और बिहार में अफ्रीकी स्वाइन फीवर (एएसएफ) की घटनाओं और उनके पुन: होने पर विचार करते हुए, विभाग ने एएसएफ राष्ट्रीय कार्य योजना के अनुसार जैव-रोकथाम और सक्रिय निगरानी सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को परामर्शियां जारी की हैं ताकि अफ्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ), जो अन्यथा एक विदेशी रोग है को, एक निश्चित समय सीमा के अंदर देश में नियंत्रित, निवारित और उन्मूलित किया जा सके।

(v) विभाग ने उत्तर प्रदेश राज्य और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में सुअरों की मृत्यु को देखते हुए, एएसएफ राष्ट्रीय कार्य योजना के अनुसार जैव-रोकथाम उपायऔरसक्रिय निगरानी सुनिश्चित करने के लिए परामर्शियां जारी कीं।

(vi) हिमाचल प्रदेश, पंजाब और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में लंपी त्वचा रोग (एलएसडी) की घटनाओं की पुष्टि होने पर, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को इस सलाह के साथ परामर्शी जारी की गई है कि निश्चित समय सीमा में रोग के नियंत्रण के लिए रिंग टीकाकरण समेत तुरंत जैव-सुरक्षा और जैव संरक्षाउपाय शुरू किए जाएं।

(vii) विभाग ने थाइलैंड को भैंस का मांस निर्यात करने को सुकर बनाने के लिए अपेडा को पशु स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदानकी।

(viii) विभाग ने माइक्रोबायोलॉजी विभाग, पशुचिकित्सा विज्ञान कॉलेज, गुवाहाटी को लक्षित पत्रिका एक्टा विरोलोगिका में पैरट बोरना वायरस पर पाण्डुलिपि प्रकाशित करने की अनुमति इस सलाह के साथ दी कि वह पशुमालिकों, पशुचिकित्सकों, वन्य प्राणी प्राधिकारियों और पशु स्वास्थ्य प्राधिकारियों के लाभ के लिए पैथोजेनेसिटी, एपिडेनियोमोजी, संचरण, जैव-सुरक्षा और नियंत्रण रणनीतियों से संबंधित सामान्य परामर्शी तैयार करें।

(ix) विभाग ने देश में एएसएफ की घटनाओं के संबंध में नियंत्रण, निवारण और तैयारी के लिए आईसीएआर-एनआईएचएसएडी, भोपाल, आरडीडीएल और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली समेत उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, झारखंड राज्योंके साथ अफ्रीकी स्वाइन फीवर (एएसएफ) पर वर्चुअल बैठक आयोजित की।

(x) उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, केरल और संघ राज्य क्षेत्र राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में एएसएफ की पुष्टि होने पर, विभाग ने इस सलाह के साथ परामर्शी और राष्ट्रीय कार्ययोजना जारी की कि सूअरों में एएसएफ के तत्काल नियंत्रण और निवारण के लिए उपायों को सख्ती से कार्यान्वित किया जाए।

(xi) केंद्रीय दल ने लंपी त्वचा रोग(एलएसडी) के नियंत्रण और निवारण संचालन का सख्ती सेकार्यान्वयनऔर अफ्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ) के संबंध में तैयारी के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को संवेदनशील बनाने के लिए राजस्थान, गुजरात राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रराष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली का दौरा किया।एलएसडी का समय पर नियंत्रण और निवारण उपायोंतथा आवश्यक तैयारी कासख्ती से कार्यान्वयन करने के लिए राजस्थान और गुजरात राज्यों को लंपी त्वचा रोग (एलएसडी) से संबंधित परामर्शी जारी की गई।

(xii) केरल में एएसएफ की घटनाओं को देखते हुए, विभाग ने पोलीमिरास श्रृंखला रिएक्शन (पीसीआर)/रीयल-टाइम पीसीआर टेस्ट के माध्यम से एएसएफ की समीक्षा/निगरानी करने के लिए दक्षिणी क्षेत्रीय रोग निदान प्रयोगशाला (एसआरडीडीएल) को अधिकृत किया।

(xiii) माह के दौरान, लगभग 0.39 करोड़ पशुओं के कान में टैग लगाया गया और लगभग 1.06 करोड़ पशुओं को एफएमडी के लिए टीकाकरण किया गया। अब तक ब्रुसेला के लिए 2.35 लाख पशुओं का टीकाकरण किया गया है।

3. राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम):

i. पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 में संशोधन के लिए कैबिनेट नोट को संबंधित मंत्रालयों की टिप्पणी के लिए परिचालित किया गया।

ii. पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी), मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा दिनांक14 जुलाई, 2022 को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में पशुपालन अवसंरचना विकास निधि योजना पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया था। सम्मेलन का उद्घाटन माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्रीपरशोत्तमरूपाला जी ने डॉ. संजीव कुमार बालियान, माननीय राज्य मंत्री, एएचडी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ किया।

- इस योजना के तहत स्थापित चार परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन भी कार्यक्रम के दौरान माननीय मंत्रियों द्वारा किया गया। योजना के तहत परियोजनाओं को सफलतापूर्वक स्थापित करने के लिए 75 लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। शीर्ष तीन बैंकों (एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और केनरा बैंक) और राज्यों (महाराष्ट्र, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश) को भी सम्मानित किया गया। इसके बाद माननीय मंत्रियों ने योजना के कार्यान्वयन दिशानिर्देश 2.0 (अब तक के सभी संशोधनों के साथ अद्यतन) और एएचआईडीएफ योजना की सफलता की कहानियोंपर एक पुस्तिका जारी की। माननीय मंत्रियों ने भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) द्वारा विकसित अद्यतन और संशोधित एएचआईडीएफ पोर्टल और पात्र परियोजनाओं के लिए क्रेडिट कवर के प्रबंधन हेतु नबसंरक्षण ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के पोर्टल का भी शुभारंभ किया।
- इस कार्यक्रम में पशुधन सेक्टर के विभिन्न क्षेत्रों, केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियों, सामान्य सेवा केंद्रों, योजना के तहत सहायता प्राप्त उद्यमियों, भविष्य के उद्यमियों, उद्योग संघों, बैंकरों, सलाहकारों और अन्य हितधारकों के 600 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन के दौरान प्रासंगिक विषयों पर तीन तकनीकी सत्र भी आयोजित किए गए, जिसमें दर्शकों ने गर्मजोशी से भाग लिया।

4. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (आईसी):

i. भारत में अर्जेंटीना गणराज्य के राजदूत महामहिम श्री ह्यूगो जेवियर गोब्बी के नेतृत्व में माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री (एफएएचडी) और अर्जेंटीना के प्रतिनिधिमंडल के बीच दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय सहयोग और मुद्दों पर चर्चा करने के लिए दिनांक 07.07.2022 को एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में अर्जेंटीना पक्ष ने खाद्य उत्पादन के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता और कृषि उत्पादों की निर्यात क्षमता के बारे में बताया। अर्जेंटीना पक्ष ने खुरपका और मुंहपका रोग(एफएमडी) और ब्रुसेलोसिस को नियंत्रित करने में अपनी विशेषज्ञता की पेशकश की क्योंकि अर्जेंटीना कई वर्षों से इन बीमारियों से मुक्त है। भारतीय पक्ष ने अर्जेंटीना के स्वदेशी रूप

से विकसित टीके का ऐसी बीमारियों को नियंत्रित करने और उसकी निर्यात क्षमता के लिए जायजा लिया। अन्य बातों के अलावा, दोनों पक्षों ने आपसी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए ज्ञान के आदान-प्रदान और संबंधित क्षेत्रों में एक-दूसरे के अनुभवों का लाभ उठाकर द्विपक्षीय सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए, पारस्परिक रूप से सहमति व्यक्त की। इसके अलावा, भारतीय पक्ष ने अर्जेंटीना को भैंस के हिमितमांस और कुक्कुट उत्पादों के निर्यात में अपनी रुचि व्यक्त की।

ii. संयुक्त सचिव (आईसी) और भारत में कोलंबिया के राजदूत महामहिम मारियाना पाचेको मोंटेस के नेतृत्व में कोलंबियाई प्रतिनिधिमंडल के बीच एक बैठक दिनांक 01.07.2022 को दोनों देशों के बीच पशु मूल के निर्मित उत्पादों की बाजार पहुंच सहित द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी।बैठक में, कोलंबियाई पक्ष ने भारत में शूकर और शूकर उत्पादों की बाजार पहुंच में अपनी रुचि व्यक्त की। संयुक्त सचिव (आईसी) ने यह भी बताया किशूकर और शूकर उत्पादों के आयात के लिए पशु चिकित्सा स्वास्थ्य प्रमाणपत्र की पूर्ति के अधीन शूकर और शूकर उत्पादों को भारत में आयात किया जा सकता है। संयुक्त सचिव (आईसी) ने दुनिया के विभिन्न देशों में भारतके पशु मूल के उत्पादों की निर्यात क्षमता पर जोर दिया।दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने के लिए एक संस्थागत ढांचे की इच्छा व्यक्त कीतथा डीए और एफडब्ल्यू व कोलंबिया के बीच कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग के लिए हस्ताक्षर किए जाने हेतु प्रस्तावित समझौता ज्ञापन के तत्वावधान में एक संयुक्त कार्य समूह/तकनीकी कार्य समूह की स्थापना के लिए सहमति व्यक्त की।

iii. दोनों देशों के बीच बाजार पहुंच के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए दिनांक 05.07.2022 को नई दिल्ली में स्पेन के दूतावाससेसुश्री लूसिया पाटेर्निना, मुख्य आर्थिक और वाणिज्यिक परामर्शदाता के साथ संयुक्त सचिव (आईसी) की एक बैठक हुई। स्पेन से भारत में पशु आहार, दूध और दुग्ध उत्पादों आदि के निर्यात के लिए पशु चिकित्सा स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। इसी तरह, भारतके पशु मूल के उत्पादों जैसे भारतीय भैंस के हिमित मांस, अंडे का पाउडर, भारतीय डेयरी उत्पादों आदि की स्पेन में बाजार पहुंच की गुंजाइशपर भी चर्चा की गई।

5. क्रेडिट, विस्तार और प्रचार (सीईपी):

दिनांक 23 जुलाई, 2022 को भोपाल, मध्य प्रदेश में ए-हेल्प के पहले बैच के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ तथा इसके बाद सचिव, डीएएचडी और सचिव, एमओआरडी की सह-अध्यक्षता में मध्य प्रदेश, कर्नाटक, बिहार और झारखंड राज्यों में प्रायोगिक आधार पर ए-हेल्प के कार्यान्वयन की समीक्षा करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की संयुक्त संचालन समिति (जेएनएलएससी) की बैठक की गई।

कार्यक्रम के दौरान ए-हेल्प संबंधी एक पुस्तिका का लोगो और उद्यमियों के लिए व्यापक समर्थन और प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानियां भी जारी की गईं।

6. बजट :

वर्ष 2022-23 के लिए जुलाई, 2022 तक, 4288.84 करोड़ रुपए के बजट अनुमान की तुलना में, 448.55 करोड़ रुपए व्यय हुए। जुलाई 2022 माह के दौरान पशुपालन और डेयरी विभागका व्यय 50.14 करोड़ रुपए था।

7. सोशल मीडिया कार्यकलाप:

माह के दौरान, विभाग के ट्विटर पेज को 72,637 फॉलोवर्स द्वारा देखा गया। सोशल मीडिया कार्यकलापों के तहत, 162 रचनात्मक पोस्ट किए गये, 208 ट्वीट और 1153 रिट्वीट किए गये, 2 वीडियो और जीआईएफ बनाये गये। विभाग के फेसबुक पेज पर 1,30,296 फालोवर्स हैं। विभाग के कू अकाउंट पर 57,500 फॉलोवर्स हैं। जुलाई, 2022 के अंत तक लिंक्डइन पर 920 फालोवर्स और इंस्टाग्राम पर 691 फालोवर्स हैं।